म्हारा जुना जोशी राम मिलन कद होसी भजन लिरिक्स

म्हारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी।

दोहा – चार वेद छ: शास्त्रो में,
बात मिली है दोय,
दु:ख दीन्या दु:ख होंत है,
सुख दीन्या सुख होय।
राम नाम के आलसी,
और भोजन में होशियार,
तुलसी ऐसे मित्र को,
मेरा बार बार धिक्कार।
कबीर कमाई आपणी,
कदे न निष्फल जाय,
बोया पेड़ बबूल का,
तो आम कहा से खाय।
बोया जब वो आम था,
और उग आई बबूल,
बैठेन लागे छाव में.
तो चुभन लागी शुल।

म्हारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी,
राम मिलन कद होसी,
राम मिलन कद होसी,
मारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी।bd।

आओ जोशी जी थे,
पाट बिराजो,
बाच सुनाओ थारी पोथी जी,
मारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी।bd।

खीर खांड का जोशी,
भोजन जिमावा,
नूत जिमावा थारा गोती,
मारा जुना जोशी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राम मिलन कद होसी।bd।

आठ भरी को जोशी,
बागो सिलवासा,
हीरा जडास्या थारी पोथी,
मारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी।bd।

बाई तो मीरा के,
गिरधर नागर,
राम मिल्या सुख होसी,
मारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी।bd।

म्हारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी,
राम मिलन कद होसी,
राम मिलन कद होसी,
मारा जुना जोशी,
राम मिलन कद होसी।bd।

स्वर : श्री दिलीप दास जी महाराज।
लक्ष्मणगढ़ (सीकर)
प्रेषक – राहुल जोशी,
7737360045

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com